www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 287 | जौनपुर सोमवार, 08 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

केंद्र सरकार जीवन को आसान और व्यापार को सुगम बनाने पर कर रही फोकस : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है और केंद्र सरकार जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्भारत की विकास की गति मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025–26 में 7.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और 140 करोड़

भारतीयों की कड़ी मेहनत को दर्शाती है। साथ ही पोस्ट में कहा, ष्हम जीवन को आसान बनाने, व्यापार करने के तरीके को आसान करने और अपने युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह सरकार द्वारा राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किए गए भारी निवेश को भी दर्शाता है, जिसने विकास दर को बढ़ाने में मदद की है क्योंकि भारत वैश्विक मंदी के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ है। अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे जर्मनी की वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत, जापान की वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत, यूरो की वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत, जी7 की वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत है। भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर तेजी से बढ़ रही है, जब अमेरिका– ईरान युद्ध के कारण अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान देश की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही है।

वित्त वर्ष 2025–26 में 7.7 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ पर अमित शाह ने जताई प्रसन्नता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से विस्तार करने पर प्रसन्नता जताई है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर जारी एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए दूरदर्शी आर्थिक सुधार देश में आर्थिक समृद्धि को निरंतर गति दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ऐसे समय में जब विश्व आर्थिक संकटों से जूझ रहा है, भारत की 7.7 प्रतिशत की विकास दर और सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए उसका प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि पिछले 12 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था ने कितनी मजबूती हासिल की है।" अमित शाह ने आगे कहा, "चाहे महामारी का दौर हो या युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियाँ, मोदी जी की दूरदर्शी नीतियाँ ही देश को हर संकट से सुरक्षित रूप से पार ले जा रही हैं।" वहीं इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 में 7.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर, अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सरकार 'ईज ऑफ लिविंग' (जीवन को आसान बनाने) और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार को सुगम बनाने) को और बेहतर बनाने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएंगे।

राजनाथ सिंह ने भारत की जीडीपी वृद्धि को मजबूती का प्रतीक बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में श्रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्मश के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में लिखा, श्ऐसे समय में जब कई देश आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी और चौथी तिमाही में यह रफ्तार बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12वर्षों में श्रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्मश के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। इस दौरान, रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास के साथ–साथ स्थिरता, आत्मविश्वास, टिकाऊपन और विश्वसनीयता को भी आगे बढ़ाया है। राष्ट्र–निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता पर उनका ध्यान और अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियों के बीच देश को सही दिशा देने की उनकी क्षमता ने भारत को एक आत्मविश्वासी, मजबूत और दुनिया भर में सम्मान पाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

किसी ने उत्सव के रंग में भंग डाला तो वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा : मुख्यमंत्री योगी

गोंडा, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि अब वह नहीं होगा, जो 2017 के पहले होता था। 2015–16 में दुर्गा पूजा में गोंडा में दंगे की चेष्टा की गई थी। तब मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन नहीं होने दिया जाता था। रामलीला में अड़चन डाली जाती थी। त्योहार व उत्सव से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। 2017 से पहले सत्ता में बैठे लोग दंगाइयों व पेशेवर गुंडों के सामने नतमस्तक होते थे। प्रदेश में महीनों कर्फ्यू रहता था। लेकिन, अब किसी ने उत्सव के रंग में भंग डाला तो उसका वर्तमान के साथ भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोंडा के कटरा विधानसभा क्षेत्र में 256 करोड़ रुपये व करनैलगंज में 260 करोड़ रुपये (कुल 516 करोड़ रुपये) की 262 परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन कराया तथा विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि असुरक्षा के वातावरण में निवेश नहीं होता। 2017 से पहले राज्य में पहचान का संकट, नौजवान बेहाल, किसान परेशान, बहन–बेटियां असुरक्षित थीं। जब विकास के पिछले पायदान में हमारी गिनती होती थी तो सम्मान भी नहीं मिलता था। अब सभी 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 826 विकास खंडों, 762 नगर निकायों, लगभग 14 हजार वार्डों, 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को बिना रोक–टोक योजनाओं का लाभ मिल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि गोंडा के युवा ऊर्जावान, किसान परिश्रमी, बहन–बेटियां प्रतिभाशाली हैं। कारीगरों व हस्तशिल्पियों ने अपने हुनर की छाप देश–दुनिया तक पहुंचाने में कोई कोताही नहीं की। गोंडा ने स्वाधीनता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के बाद यहां जो अपेक्षित विकास होना चाहिए था, वह तुष्टिकरण, अराजकता, भाई– भतीजावाद, जातिवाद की भेंट चढ़ गया और इसका खामियाजा जनपद को भुगतना पड़ा। गोंडा विकास के अभाव में पिछड़ता गया। सीएम योगी ने कहा कि एक समय ऐसा भी आ गया।

भारत भविष्य के लिए तैयार डिजिटल अर्थव्यवस्था बना रहा है - जितिन प्रसाद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार के अनुसार, भारत इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और टेक्नोलॉजी के मामले में आत्मनिर्भरता पर आधारित एक ऐसी डिजिटल इकोनॉमी बना रहा है जो भविष्य के लिए तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और 'इंडिया एआई मिशन' जैसी प्रमुख पहलें रिसर्च, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन–आधारित विकास के लिए नए रास्ते खोल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रगतिशील नीतियों, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और टेक्नोलॉजी तक बेहतर पहुंच के जरिए एक अनुकूल इकोसिस्टम बनाने के लिए

प्रतिबद्ध है। आईटी मंत्रालय के तहत 'सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया' (एसटीपीआई) ने यहां 'एसटीपीआई टेक समिट 2026– इंडियाज नेक्स्ट लीप' का आयोजन किया, जिसमें सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वेंचर कैपिटलिस्ट और इकोसिस्टम को बढ़ावा देने वाले लोग शामिल हुए। प्रसाद ने कहा कि जैसे–जैसे भारत ग्लोबल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में लीडर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, एसटीपीआई जैसे संस्थान एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने, इनोवेशन को पोषित करने, उभरते टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्लोबल मार्केट के लिए वर्ल्ड–क्लास समाधानों के विकास को सक्षम करने में अहम भूमिका निभाएंगे।" मीटी के सेक्रेटरी एस कृष्णन ने एसटीपीआई के 35 साल पूरे होने पर कहा कि हमें आगे के मौकों की पहचान करनी चाहिए और उभरते क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए इसकी मजबूत विरासत का लाभ उठाना चाहिए। एसटीपीआई की सबसे बड़ी ताकतों में से एक हमेशा से इसकी लोगों को एक साथ लाने की क्षमता रही है।

रेल मंत्री बोले– छह घंटे में सिलीगुड़ी से दिल्ली, पश्चिम बंगाल को मिलेगी बुलेट ट्रेन की सौगात

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को राज्य के लिए कई बड़े रेल परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली–वाराणसी–पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रही है। इसके पूरा होने के बाद दिल्ली से सिलीगुड़ी की यात्रा करीब छह घंटे में संभव हो सकेगी। रेल मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति दी जा रही है। उनके अनुसार राज्य में 102 नए अमृत भारत स्टेशनों का विकास किया जाएगा, जिनमें से 10 स्टेशनों का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि बंगाल में पहले से नौ वंदे भारत एक्सप्रेस और 13 अमृत भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं तथा वंदे भारत स्लीपर सेवा की शुरुआत भी सबसे पहले इसी राज्य से हुई थी। कोलकाता मेट्रो के विस्तार का उल्लेख करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि शहर के लिए 60 नई नेक्स्ट जेनरेशन मेट्रो ट्रेनें लाई जाएंगी। इसके अलावा डानकुनी से सूरत तक पूर्व–पश्चिम फ्रेट कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिससे माल परिवहन को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में रेलवे नेटवर्क का शत–प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। रेल मंत्री ने राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए बढ़े केंद्रीय आवंटन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के समय पश्चिम बंगाल को रेलवे के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये मिलते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह राशि बढ़कर 14,205 करोड़ रुपये हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

टीएमसी में बड़ी टूट की अटकलें तेज, दिल्ली में राजनीतिक हलचल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। पार्टी के भीतर संभावित असंतोष और सांसदों की नाराजगी को लेकर कई तरह के राजनीतिक दावे सामने आ रहे हैं। सूत्रों के हवाले से ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि आने वाले दिनों में टीएमसी के कुछ सांसद अलग रुख अपना सकते हैं। हालांकि पार्टी की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।राजनीतिक विश्लेषण दिल्ली में बढ़ी राजनीतिक गतिविधियों और विभिन्न नेताओं के बयानों ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी है। माना जा रहा है कि आगामी सप्ताह में राष्ट्रीय राजनीति के घटनाक्रमों पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।राजधानी दिल्ली में इन दिनों पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर हलचल बढ़ गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी दिल्ली में मौजूद हैं। भाजपा नेताओं का दावा है कि टीएमसी के कुछ सांसद उनसे संपर्क में हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। भाजपा का कहना है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उधर, टीएमसी ने अभी तक सार्वजनिक रूप से ऐसे दावों पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई को मिला बड़ा जनसमर्थन

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देने के बाद नया राजनीतिक आंदोलन शुरू कर दिया है। उनके इस कदम को राज्य की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। अन्नामलाई का दावा है कि उनके नए अभियान को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और शुरुआत के महज 10 घंटे के भीतर 10 लाख से अधिक लोगों ने उनके आंदोलन के समर्थन में पंजीकरण कराया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और लोकप्रिय युवा नेता अन्नामलाई ने सोशल मीडिया के माध्यम से समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि लोगों का यह उत्साह दर्शाता है कि वे उनके विजन और राजनीतिक सोच से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि यह समर्थन भविष्य की राजनीति को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।अन्नामलाई ने अपने आधिकारिक संदेश में कहा कि उनके राजनीतिक आंदोलन को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि डिजिटल पंजीकरण अभियान शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर लाखों लोग इससे जुड़ गए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं बल्कि बदलाव की इच्छा रखने वाले लोगों की आवाज है।

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की सूची, पवन सिंह को भी बनाया उम्मीदवार

पटना, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने चार नामों को मंजूरी दी है। इनमें भोजपुरी फिल्म उद्योग के लोकप्रिय गायक और अभिनेता पवन सिंह का नाम सबसे अधिक चर्चा में है। भाजपा ने इस बार राजनीतिक अनुभव और सामाजिक प्रतिनिधित्व के साथ–साथ लोकप्रिय चेहरों पर भी भरोसा जताया है। भाजपा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बिहार विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए पवन सिंह, डॉ. संजय मयूख, अनिल कुमार ठाकुर और शीला पंडित को उम्मीदवार बनाया गया है। इस सूची को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने जारी किया। उम्मीदवारों में शामिल पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा और संगीत जगत का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपनी गायकी और अभिनय के दम पर देशभर में करोड़ों प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई है। दूसरे उम्मीदवार डॉ. संजय मयूख भाजपा के वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। वह वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राष्ट्रीय मीडिया सह–प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। साथ ही वह मौजूदा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) भी हैं। पार्टी ने उनके अनुभव और संगठनात्मक योगदान को देखते हुए एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। सूची में शामिल तीसरे उम्मीदवार अनिल कुमार ठाकुर नाई समाज से आते हैं और वर्तमान में बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका और सामाजिक आधार को ध्यान में रखते हुए उन्हें मौका दिया गया है। वहीं, चौथी उम्मीदवार शीला पंडित प्रजापति बिहार भाजपा की प्रमुख महिला नेता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह वर्तमान में बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर) की सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। महिला सशक्तीकरण और सामाजिक मुद्दों पर उनकी सक्रियता को देखते हुए भाजपा ने उन्हें भी चुनावी मैदान में उतारा है।

झूठे दावों से नहीं बदल सकती जम्मू–कश्मीर की हकीकत - पी. हरीश

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मंच पर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ा जवाब देते हुए जम्मू–कश्मीर को लेकर उसके दावों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है। सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान की ओर से उठाए गए कश्मीर मुद्दे पर भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है तथा किसी भी प्रकार की झूठी बयानबाजी से इस सच्चाई को बदला नहीं जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान पर वैश्विक मंचों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि इस तरह के प्रयासों से न तो वास्तविकता बदल सकती है और न ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह किया जा सकता है।यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू–कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान की ओर से किए गए इन बयानों पर भारत ने तुरंत जवाब देते हुए उन्हें तथ्यहीन और भ्रामक बताया।पी. हरीश ने कहा कि जम्मू–कश्मीर से जुड़े सभी विषय भारत के आंतरिक मामले हैं और इस पर किसी अन्य देश की टिप्पणी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने दोहराया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान चाहे कितने भी झूठे दावे करे या बार–बार एक ही मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए, लेकिन इससे जमीनी सच्चाई नहीं बदल सकती।संयुक्त राष्ट्र में जवाब देने के साथ–साथ भारत ने गिलगित–बाल्टिस्तान में प्रस्तावित चुनावों को लेकर भी पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान जिस क्षेत्र में चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है, वह भारत का अभिन्न हिस्सा है और उस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। भारत ने कहा कि ऐसे चुनावों के जरिए वास्तविक स्थिति को नहीं बदला जा सकता। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में मानवाधिकारों के उल्लंघन, राजनीतिक दमन और आर्थिक शोषण की गंभीर शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र में भारत की यह प्रतिक्रिया केवल पाकिस्तान के आरोपों का जवाब नहीं है।

संपादकीय

स्कूली शिक्षा गंभीर संकट का सामना कर रही

शिक्षा का प्रसार करने में भारत सफल है, मगर स्कूल से यूनिवर्सिटी तक लर्निंग क्वालिटी, तर्क–बुद्धि, शिक्षक क्षमता और रोजगार लायक योग्यता प्रदान करने के मामले में वह गहरे संकट का सामना कर रहा है। गुणवत्ता संपन्न ज्ञान एवं तर्क क्षमता प्रदान करने के मामले में भारत की स्कूली शिक्षा गंभीर संकट का सामना कर रही है। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट– श्भारत में स्कूल शिक्षा प्रणालीरू सामयिक विश्लेषण एवं गुणवत्ता वृद्धि के लिए नीतिगत मार्गच्– में यह बात स्वीकार की है। आयोग ने ये विस्तृत रिपोर्ट यूडीआईएसई, एनएएस, प्रदर्शन आकलन समीक्षा, परख और असर रिपोर्टों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार की है। एक वाक्य में इसका सार है– शशिक्षा का प्रसार करने में भारत ने सफलता हासिल की है, मगर लर्निंग क्वालिटी, शिक्षक क्षमता, और रोजगार पाने लायक योग्यताच्य प्रदान करने जैसे मामलों में वह गहरे संकट का सामना कर रहा है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक यही सूरत मौजूद है। स्पष्टतरू शिक्षा के प्रसार से मतलब स्कूलों में दाखिले से है। आज देश में 14.7 लाख स्कूल, तकरीबन 24.7 करोड़ बच्चे और एक करोड़ शिक्षक हैं। मगर बुनियादी ज्ञान प्राप्त एवं प्रदान करने के मोर्चे पर स्थिति नाजुक है। ऊंचे क्लास में पहुंच जाने के बावजूद ज्यादातर छात्र निचले वर्ग का पाठ पढ़ने या अंकगणित के प्रश्नों को हल करने में नाकाम बने रहते हैं। क्लास बढ़ने के साथ समस्या बढ़ती चली जाती है। कई राज्यों के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता कमजोर है, शिक्षा का स्तर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्ध्या के योग्य नहीं है, शिक्षा संस्थान फंडिंग और संचालन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त हैं और इन सबका नतीजा है कि डिग्री लेकर निकले छात्रों को बाजार रोजगार के योग्य नहीं मानता। आयोग ने कहा है कि बिखराव– ग्रस्त स्कूल प्रणाली, शिक्षकों की कमी, और असमान लर्निंग की स्थिति जैसे मसलों को हल नहीं किया गया, तो प्रगति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकेगा। रिपोर्ट में शिक्षा व्यवस्था में आमूल सुधार की जरूरत बताई गई है। आधुनिक दौर के मुताबिक इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित करने का सुझाव दिया गया है। मगर ये होगा कैसे? बजट पर गौर करें, तो साफ है शिक्षा सरकारों की प्राथमिकता नहीं है। ऊपर से ज्ञान एवं तर्क विरोधी माहौल राजनीतिक परियोजना के तहत बनाया जा रहा है। ऐसे में छात्र सीखने एवं तर्क करने की दिशा में कैसे प्रेरित होंगे?

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं

नीरज

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था। पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है। अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ष्वी द लीडरष् की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी। बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दर्शाती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है। वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक

राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं। बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

यूएन सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने से जर्मनी को झटका लगा

धीरज

संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने की जर्मनी की कोशिशों को झटका लगा है. बुधवार को हुई वोटिंग में ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को जीत मिली. जर्मनी इससे पहले छह बार सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रह चुका है. आखिरी

बार 2019 और 2020 में. पारंपरिक तौर पर देखें तो हर आठवें साल उसने अपनी दावेदारी पेश की. हालांकि राजनयिकों के मुताबिक पहली बार यह हुआ है जब वह नाकाम हो गया. इस बार सुरक्षा परिषद के लिए सदस्यों के चुनाव में मतदान के पहले दौर में ही जर्मनी बाहर हो गया.जर्मनी को सिर्फ 104 वोट मिले. दो तिहाई बहुमत के लिए कम से कम 127 वोटों की जरूरत होती है. पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले. संयुक्त राष्ट्र में कुल 193 सदस्य हैं हालांकि अफगानिस्तान और वेनेजुएला को फिलहाल वोट डालने का अधिकार नहीं है. जर्मनी के लिए झटका मतदान का ऐसा नतीजा जर्मनी के चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स और विदेश मंत्री योहान वाडेफुल के लिए झटका माना जा रहा है जो जर्मनी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ज्यादा प्रमुख भूमिका दिलाने की कोशिशों में जुटे हैं. उन्हें सुरक्षा परिषद की सीट जीतने का भरोसा था.वोटिंग का नतीजा आने के बाद चांसलर मैर्त्स ने कहा कि जर्मनी इस नतीजे के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में अपनी जिम्मेदारियां निभाता रहेगा. उन्होंने कहा, ष्संयुक्त राष्ट्र के भीतर जो काम हमारे भरोसे पर दिया गया है वह इस नतीजे से नहीं बदलेगा.ष बर्लिन में चांसलर ने कहा, ष्जर्मनी इस बहुपक्षीय तंत्र का एक भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा. हम इस जिम्मेदारी को पूरे मन से निभाएंगे.ष विपक्षी पार्टियों की आलोचना के बीच उधर न्यू यॉर्क में विदेश मंत्री वाडेफुल ने कहा, ष्यह नतीजा सचमुच एक निराशा है, और एक कड़वी हारबर्लिन में लेफ्ट पार्टी की नेता इनेस श्वेर्डटनर ने कहा कि परिषद में अस्थायी सीट पाने में नाकामी से मैर्त्स की खुद को ष्विदेश नीति चांसलरष् के रूप में स्थापित करने की कोशिशें कमजोर हुई हैं. उन्होंने जर्मन न्यूज आउटलेट टी–ऑनलाइन से कहा कि दुनिया हिलाने वाले अहम संघर्षों पर जर्मनी गया है वह इस नतीजे से नहीं बदलेगा.ष बर्लिन में चांसलर ने कहा, ष्जर्मनी इस बहुपक्षीय तंत्र का एक भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा. हम इस जिम्मेदारी को पूरे मन से निभाएंगे.ष विपक्षी पार्टियों की आलोचना के बीच उधर न्यू यॉर्क में विदेश मंत्री वाडेफुल ने कहा, ष्यह नतीजा सचमुच एक निराशा है, और एक कड़वी हारबर्लिन में लेफ्ट पार्टी की नेता इनेस श्वेर्डटनर ने कहा कि परिषद में अस्थायी सीट पाने में नाकामी से मैर्त्स की खुद को ष्विदेश नीति चांसलरष् के रूप में स्थापित करने की कोशिशें कमजोर हुई हैं. उन्होंने जर्मन न्यूज आउटलेट टी–ऑनलाइन से कहा कि दुनिया हिलाने वाले अहम संघर्षों पर जर्मनी की चुप्पी और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के स्पष्ट उल्लंघन को पहचानने में नाकामी इसकी वजह है. धुर दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी की नेता एलिस वाइडेल ने इसे मैर्त्स के लिए एक और ष्शर्मिंदगीष कहा है. वोटिंग के नतीजों को लेकर आशंका की वजह से वाडेफुल पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क भी गए ताकि संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को आखिरी पल मना सकें हालांकि आखिर में उसका कोई फायदा नहीं हुआ. कठिन अभियान के बाद मिली हार जर्मनी के अभियान को शुरू से ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है. जर्मनी 2020 में इस दौड़ में शामिल हुआ. उसके प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया उससे बहुत पहले इस दौड़ में शामिल हो चुके थे. गाजा के मामले में जर्मनी की स्थिति की भी काफी आलोचना हुई. इसके साथ ही ईरान पर इस्राएल के हमले और वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की पर नपी–तुली प्रतिक्रिया को लेकर भी कुछ ऐसा ही हाल रहा. इन मुश्किलों के बावजूद वाडेफुल ने मतदान से पहले भरोसा जगाने की कोशिश की. मतदान से ठीक पहले वाडेफुल ने पत्रकारों से कहा, ष्हम भरोसे और सकारात्मक सोच के साथ इस चुनाव में जा रहे हैं.ष पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया के बारे में वाडेफुल ने कहा कि दोनों देश, ष्हमारे साथ उचित और रचनात्मक मुकाबले में हैं.ष नतीजा चाहे जो भी हो दोनों, ष्यूरोपीय देश और सरकारें हैं जिनके साथ हमारे वास्तव में करीबी संबंध हैं.ष मैर्त्स और वाडेफुल को उम्मीद थी कि सुरक्षा परिषद की सीट जर्मनी को यूक्रेन युद्ध और गाजा के भविष्य जैसे अंतरराष्ट्रीय मसलों के हल में ज्यादा बड़ी भूमिका दिलाएगा. जर्मनी सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनना चाहता था. वाडेफुल ने बार बार यह दलील दी है कि संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद युद्ध और टकराव का राजनीतिक समाधान ढूंढने में केंद्रीय संगठन बने रहेंगे. संयुक्त राष्ट्र का अहम संगठन सुरक्षा परिषद में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से 15 शामिल होते हैं. परमाणु ताकत रखने वाले दूसरे विश्व युद्ध के विजेता पांच देशों के पास वीटो पावर है. ये देश हैं अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस. बाकी की दस सीटों के लिए 10 देश, दो साल के लिए चुने जाते हैं. सुरक्षा परिषद में सीट नहीं मिलने के बाद भी इस बात के कम ही आसार हैं कि जर्मन सरकार संयुक्त राष्ट्र के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं में कोई कटौती करेगी. हालांकि आलोचक इस बात की शिकायत कर सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र में ढेर सारा पैसा खर्च करने के बाद भी उसके अहम पदों को भरते समय जर्मनी को पर्याप्त जगह नहीं मिली. अमेरिका, चीन, और जापान के बाद जर्मनी संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिए सबसे ज्यादा पैसा देता है. शांति अभियानों और स्वैच्छिक भुगतान को इसमें शामिल किया जाए जो यह दूसरे नंबर पर है. क्षेत्रीय समूह ष्पश्चिमी यूरोप और अन्यष के लिए 2027–28 में खाली होने वाले दो सीटों में से एक के लिए जर्मनी उम्मीदवार था. सुरक्षा परिषद के नए सदस्य ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल – जिम्बाब्वे, किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो, बहरीन, कोलंबिया, डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, लातविया और लाइबेरिया के साथ सुरक्षा परिषद के 2027 में सदस्य बनेंगे. यूरोपीय संघ और नाटो के सदस्य पुर्तगाल ने अपने अभियान में सुरक्षा परिषद को ज्यादा पारदर्शी बनाने पर जोर दिया. इसके अलावा उसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों के साथ ऐतिहासिक संबंधों का भी बड़ा फायदा मिला. ऑस्ट्रिया नाटो का सदस्य नहीं है, शायद उसे तटस्थ देश होने का फायदा हुआ. रूस, चीन और उसके सहयोगी वियना को सुरक्षा परिषद के लिए ज्यादा स्वीकार्य सहयोगी मानते हैं. नतीजों के अपने शुरुआती आकलन में वाडेफुल ने कहा कि यूक्रेन को जर्मनी के मजबूत समर्थन ने शायद हार में भूमिका निभाई होगी. उनका कहना है कि रूस ने जर्मनी की उम्मीदवारी के खिलाफ अभियान चलाया यह बात छिपी नहीं है.

तृणमूल कांग्रेस आखिर क्यों टूट टूट कर बिखरने की कगार पर है

अजय दीक्षित

तृणमूल कांग्रेस पश्चिमी बंगाल में टूट टूट कर बिखरने को है । यहां तक कि पचास विधायक,15 लोकसभा सांसद और 09राजसभा सांसद, एक आद हजार पार्षद, मेयर, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के काउंसलर, कोलकाता की पूरी पार्षद दल, विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद घर बैठे हैं और पार्टी द्वारा बुलाए जाने पर भी कार्यक्रमों नहीं जा रहे हैं। अधिकतर लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना चाहते हैं परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने तय किया है कि किसी को शामिल नहीं किया जाएगा। यद्यपि सूत्रों माने तो राज्य सभा सांसदों को कुछ रियायत मिलने के संकेत हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को राज्य सभा में दो तिहाई बहुमत के लिए 15 सीट चाहिए क्योंकि उसके पास राजग की 148 सीट है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी घर से निकलने हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। अभिषेक बनर्जी को ईडी सीबीआई का डर सता रहा है। बताया जाता है अभिषेक बनर्जी के पास 200करोड़ की नामी बेनामी संपत्ति है। सरकार के पूर्व मंत्री,कई विधायक,गुंडे, हफ्ता वसूली करने वाले, टोला वाजी करने वाले, बाग्लादेश मुस्लिम,सब परेशान हैं। पूरा बंगाल का रेडी, पटरी, अवैध मकान,जमीन घेरने वाले भाग रहे हैं या सीखचों का इतजार कर रहे हैं। जिसमें मुस्लिम अवैध धंधे बाज,इनकी तो जैसे समत आ गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया के जयंत घोषाल कहते हैं कि जैसे बंगाल में अनुशासन आ गया है। हावड़ा जंक्शन, कोलकाता, मुर्शिदाबाद, मालदा, वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना, प्रेसीडेंसी कोलकाता,में जमकर अतिक्रमण तोड़े जा रहे है।1978 बाद पहली बार ईद की नवाज सड़क पर नहीं हुई बल्कि परेड ग्राउंड में हुई कोई भाषण नहीं किया।किसी भी सड़क पर बंगाल कोई नवाज नहीं हुई । अभी तो मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी का पूरा मंत्री मंडल नहीं बना है। जिस पर ऐसे हालात है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार ने बंगाल को चारसौ कंपनी बीएसएफ की दी है। सुबेंदु प्रतिदिन सुबह चार बजे से रात दो बजे तक सक्रिय है।अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी गए थे 1 लाख करोड़ प्रस्ताव सड़क,बिजली,पानी, नेशनल हाईवे, देकर आए जो शायद 15 जून केंद्रीय मंत्री परिषद बैठक में पास होगे। जिसमें शिक्षा का उन्नयन, विश्वविद्यालय,कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन,का विशेष पैकेज भी शामिल होगा। पश्चिमी बंगाल में 1977 में लेफ्ट पार्टियों की सरकार बनी लेफ्ट पार्टियों ने कांग्रेस का दामन किया यहां तक कि पूरा लोकतंत्र का अपहरण कर लिया और विपक्ष को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया।23 वर्ष ज्योति बसु मुख्यमंत्री रहे और 11 वर्ष बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री रहे ।इन वर्षों में लेफ्ट पार्टियों ने बूथ जाम करने का नया तरीका ईजाद किया। लेकिन ममता बनर्जी जैसी जुझारू महिला ने अकेले दम पर 34 साल की लेफ्ट पार्टियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में उखाड़ फेंका। लेकिन ममता बनर्जी 2016 तक तो कुछ हद तक लोकतांत्रिक रही थी लेकिन तुड़मूल ने भी लेफ्ट पार्टियों की तरह काम करना शुरू कर दिया। कट मनी, टोला वाजी, भ्रष्टाचार, भाई भतीजा बाद जम कर किया। लेफ्ट समाप्त होगयी थी ।2016 से पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी जड़े जमाना शुरू कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी 2016 विधानसभा चुनाव में मात्र 11 फीसदी वोट लाकर तीन सीट ही जीत सकी।2019 के लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ भारतीय जनता पार्टी ने 40 फीसदी वोट लाकर 42 में से 18 सीट जीती थी।2024 लोकसभा में वोट शेयर 39 फीसदी रहा मगर सीट 12 रह गई । 2021के विधानसभा चुनाव को भारतीय जनता पार्टी ने पूरे दम खम से लड़ा और 40 फीसदी वोट लाकर 77 सीट 294 में से जीती यह अदभुत था ।2026 में भारतीय जनता पार्टी ने 46 फीसदी वोट लाकर 207 सीट जीती और ममता बनर्जी युग का अंत कर दिया। अब ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि तुड़मूल विचारधारा की पार्टी नहीं है। उसके लोग पहले सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों में थे। तृणमूल कांग्रेस अब हर स्तर पर बिखर रही हैं क्योंकि बंगाल में पार्टियों लोग धन कमाने रहते हैं।ये लोग हत्या, लूट, जुआ, अवैध शराब, कट मनी, टोला वाजी,में शामिल रहते हैं। बंगाल में पिछले 50 वर्षों में इन लोगों ने सभी उद्योग धंधे बंद करा दिए। भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासन पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी से कहा है कि बंगाल की कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन को जिंदा करने का कार्य करो।

हरित विकास, जल संरक्षण और जनभागीदारी से पर्यावरणीय समृद्धि की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

प्रकृति केवल हमारे जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की संरक्षक भी है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल, घने वन और समृद्ध जैव विविधता किसी भी सभ्य समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के इस दौर में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, जो हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। प्राकृतिक संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य के विशाल वन क्षेत्र, समृद्ध जैव विविधता और जल संसाधन इसकी पर्यावरणीय पहचान हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार हरित विकास, जल संरक्षण और जनभागीदारी को केंद्र में रखकर अनेक योजनाओं का सफल संचालन कर रही है। हरियाली से समृद्धि की ओर छत्तीसगढ़ में वृक्षारोपण को केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय से भी जोड़ा गया है। चहरियाली प्रसार योजनाच्य और चकिसान वृक्ष मित्र योजनाच्य के माध्यम से किसानों को कृषि वानिकी के लिए पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा उन्हें अपनी भूमि पर वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे एक ओर हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है तो दूसरी ओर किसानों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संचालित एक पेड़ मां के नामष अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जनभावनाओं से जोड़ने का कार्य किया है। इस अभियान के माध्यम से लाखों नागरिक अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। यह पहल पर्यावरणीय जिम्मेदारी को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान कर रही है। शहरों को मिल रही हरित पहचान तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इस दिशा में चऑक्सीवन योजनाच्य के तहत शहरों में ऑक्सीजन पार्क और हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। वहीं पर्यावरण वानिकी योजनाच्य के माध्यम से सड़क किनारे वृक्षारोपण, पर्यावरण पार्कों का निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों का हरित विकास किया जा रहा है। ये प्रयास न केवल प्रदूषण नियंत्रण में सहायक हैं, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन गुणवत्ता भी प्रदान कर रहे हैं। जल संरक्षण बना जनआंदोलन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए जल संरक्षण आज सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस दिशा में कई अभिनव पहलें की हैं। चमोर गांव मोर पानीच्य और चमोर गांव मोर तरियाच्य जैसे अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की नई चेतना पैदा कर रहे हैं। परंपरागत तालाबों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, चेक डैम निर्माण और जल पुनर्भरण संरचनाओं के विकास से भूजल स्तर में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में चभूजल एवं जल संरक्षण कार्यक्रमोंच्य के तहत जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष बल दिया जा रहा है। जल सुरक्षा की यह सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव रख रही है। नदियों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए चनदी तट वृक्षारोपण योजनाच्य के अंतर्गत नदी किनारों पर

बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है। इससे मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण, भूजल संवर्धन और जैव विविधता संरक्षण में मदद मिल रही है। इसी प्रकार आर्द्र भूमि (वेटलैंड) जलवायु अनुकूलन परियोजना के तहत महानदी जलग्रहण क्षेत्र में आर्द्रभूमियों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। यह पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और प्राकृतिक जल तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नई पीढ़ी को पर्यावरण का प्रहरी बनाने की पहल पर्यावरण संरक्षण की सफलता जन– जागरूकता और जनभागीदारी पर निर्भर करती है। इसी उद्देश्य से चराष्ट्रीय हरित कोर योजना (नेशनल ग्रीन कॉर्प्स)च्य तथा चईको–क्लब कार्यक्रमोंच्य के माध्यम से स्कूलों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को पर्यावरणीय गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों के जरिए बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण रू सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। एक पौधा लगाना, जल की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और स्वच्छता बनाए रखना ऐसे छोटे–छोटे कदम हैं जो बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास और पर्यावरण एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। छत्तीसगढ़ आज हरियाली, जल संरक्षण और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल के माध्यम से इसी संतुलित दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। यदि हम सभी प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझें और पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सौंप सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

रोजगार मेले में 155 युवाओं का नौकरी का सपना साकार

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में शुक्रवार को आयोजित रोजगार मेले में 155 युवाओं को रोजगार का अवसर मिला। चयनितों को कंपनी की ओर से करीब 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक का वेतन दिया जाएगा।आईटीआई के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में बहुराष्ट्रीय दोपहिया निर्माण कंपनी हीरो मोटोकॉर्प (हरिद्वार) में टेक्निकल ऑपरेटर एवं अप्रेंटिस पदों के लिए तथा हिंदुस्तान यूनीलीवर (हमीरपुर) में ऑपरेटर पद के लिए कैंपस ड्राइव आयोजित किया गया।प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि कुल 410 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के बाद हीरो मोटोकॉर्प (हरिद्वार) के लिए 105 व हिंदुस्तान यूनीलीवर (हमीरपुर) के लिए 50 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनितों में 50 से अधिक युवतियां भी हैं। चयनितों को 14 हजार से लेकर 24,933 रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले को सफल बनाने में मकबूल कादिर, जेड रहमान, अनुदेशकों तथा ग्रेसिम लर्निंग फाउंडेशन के स्टाफ का सहयोग रहा।

शहरियों को बांटे पांच हजार से ज्यादा निशुल्क पौधे

लखनऊ, (संवाददाता)। सौरभ नर्सरी की ओर से पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंदिरानगर स्थित विकास भवन परिसर में शुक्रवार को पांच हजार से ज्यादा पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान सुबह नौ से लेकर शाम छह बजे तक लगोतार पौध वितरण का सिलसिला चला। शुभारंभ भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह और वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने किया और सुबह मौजूद लोगों को पौधे बांटे और लोगों से शहर को हरा–भरा व स्वच्छ रखने की अपील की। इस दौरान पर्यावरण के लिए काम करने वाली विभूतियां को सम्मानित भी किया गया। सौरभ नर्सरी के संचालक इंजीनियर सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि पूरे दिन में एक हजार से ज्यादा लोगों को पांच–पांच पौधे निशुल्क बांटे गए। विधायक ओपी सिंह और एमएलसी पवन सिंह चौहान व आरएसएस से प्रशांत भाटिया में आयोजन में पहुंचे और लोगों का उत्साहवर्धन कर उन्हें पौधे वितरित किए। शाम को मुख्य विकास अधिकारी प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने भी आगंतुकों को पौधे वितरित किए। इस दौरान पर्यावरण को स्वच्छ और हरा–भरा बनाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चंद्रभूषण तिवारी और अमरेश शुक्ला समेत अन्य पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित भी किया गया।

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण को मिल रहा नया आयाम : पर्यटन मंत्री

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय द्वारा प्रदेश में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से संचालित 09 नवीन संग्रहालय निर्माण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इनमें से कुछ परियोजनाएं पूर्णता के निकट हैं, जबकि शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।पर्यटन मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि अवमुक्त कर दी गई है तथा कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि संग्रहालयों, स्मारकों एवं संबंधित भवनों का निर्माण कार्य समयबद्धता एवं मानक गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जाए।उन्होंने बताया कि जनपद मैनपुरी में प्रेक्षागृह एवं बहुउद्देशीय हॉल के निर्माण हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें अब तक 12.50 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। वहीं मैनपुरी में सांस्कृतिक केंद्र एवं संग्रहालय परियोजना के अंतर्गत 1540.15 लाख रुपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, जबकि बाउंड्री वॉल का कार्य प्रगति पर है।सुलतानपुर में जनपदीय संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है, जहां फाउंडेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है और सुपर स्ट्रक्चर का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।गोरखपुर में गोरखा रेजीमेंट सेंटर शहीद स्मारक एवं संग्रहालय भवन का शिलान्यास 04 सितंबर 2025 को मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था, जिसका निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ ही कौशाम्बी में जनपदीय संग्रहालय को मुख्य पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु भूमि चिन्हांकन एवं पुनः कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

श्रवण धाम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से वृक्षारोपण महाभियान का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत आज पौराणिक धार्मिक स्थल श्रवण धाम में वृक्षारोपण कर जनपद स्तर पर वृक्षारोपण महाभियान एवं समेकित जन–कल्याण तथा जन–जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग ओम प्रकाश राजभर ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे, विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा (साधु वर्मा), जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने जनता से अपील की कि प्रत्येक नागरिक "एक पेड़ माँ के नाम" के तहत कम से कम एक पौधा अवश्य रोपे और उसकी नियमित देखभाल करे। उन्होंने समाज में बेटा–बेटी के भेदभाव को समाप्त करने तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया।

राजधानी में 20 घंटे तक बिजली रही गुल, रातभर जागे 500 परिवार उपकेंद्र पर फूटा गुस्सा, हंगामा-नारेबाजी

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा उपकेंद्र के जेहटा फीडर अंतर्गत लक्ष्मी अस्पताल के पास की कॉलोनी में बृहस्पतिवार देर रात बिजली आपूर्ति ठप हो गई। लगातार 20 घंटे से अधिक समय तक बिजली न आने से आक्रोशित लोगों का सब्र शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे जवाब दे गया। आक्रोशित उपभोक्ता दुबग्गा उपकेंद्र पहुंच गए और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन करने वालों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात एक डंपर ने बिजली के खंभे में जोरदार टक्कर मार दी थी। घटना में दो पोल के ऊपर रखा ट्रांसफार्मर भी नीचे गिर गया जिससे आपूर्ति ठप हो गई। शिकायतों के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। भीषण उमस में 20 घंटे तक आपूर्ति चालू न होने पर लोग उपकेंद्र पहुंचे। उपकेंद्र से जेई चले गए थे और उनका फोन भी नहीं उठ रहा था। जिसके बाद प्रदर्शन शुरू हुआ। पुलिस ने लोगों को समझाया। उपभोक्ताओं के दावे से इतर उपकेंद्र के अवर अभियंता ऋषि गोस्वामी ने बताया कि कॉलोनी में लगे 63 केवीए ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से आपूर्ति बाधित हुई है। खराबी दूर कराया जा रहा है। अमीनाबाद उपकेंद्र के तहत नजीराबाद में शुक्रवार को बंदरों की उछल–कूद के चलते दो घंटे तक बिजली बाधित रही। शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान न होने के कारण व्यापारियों ने समय से पहले दुकानें बंद की दीं। व्यापारी नेता सुरेश छबलानी ने बताया कि शाम 7:30 बजे बिजली आपूर्ति ठप हुई तो रात 9:30 बजे तक चालू नहीं हो सकी। अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र सक्सेना ने बताया कि नजीराबाद की बिजली बंद होने की सूचना उपकेंद्र के जिम्मेदारों ने उनको भी नहीं दी। नूरबाड़ी उपकेंद्र इलाके में केबल जल जाने के कारण बृहस्पतिवार की रात ढाई घंटे तक 500 परिवार बिजली की आस में जागते रहे। उपभोक्ताओं ने बताया कि मातादीन रोड व आसपास के इलाकों में रात 1:30 बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इसके अलावा कुछ अन्य इलाकों में वोल्टेज के उतार–चढ़ाव के कारण बार–बार बिजली आपूर्ति में व्यवधान आया। आधी रात को लोग उपकेंद्र भी गए, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। एसडीओ गुलरेज अली ने बताया कि रात में एक केबल में आग लगने से महज 15 मिनट के लिए आपूर्ति में व्यवधान आया था। हालांकि, उपभोक्ताओं का कहना कि सुबह 4 बजे आपूर्ति बहाल हुई। बृहस्पतिवार की रात जीपीआरए उपकेंद्र के मिश्रपुर फीडर में ब्रेकडाउन आने से क्षेत्र की बिजली करीब एक घंटे तक बाधित रही।

केजीएमयू में अब एप से होगा दवा का वितरण, मरीज के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन के बाद ही मिलेगी दवा

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में दवाओं, इंप्लांट, स्टेंट और सर्जिकल उपकरणों की खरीद में करोड़ों रुपये के घोटालों के वाद प्रशासन सतर्क हो गया है। संस्थान ने अब इलाज प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एक अत्याधुनिक डिजिटल व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत मरीज के पंजीकृत मोवाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन के बाद ही चिकित्सा सामग्री जारी की जाएगी। यह कदम यूरोलॉजी विभाग में सामने आए करीव ढाई करोड़ रुपये के घपले के बाद उठाया गया है। यहां कैंसर की महंगी दवाएं पेशाब और गुर्दे के मरीजों के नाम पर जारी की गई थीं। जांच समिति ने अनियमितताओं की पुष्टि की जिसके बाद आरोपी चिकित्सक और कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई। इस प्रकरण के वाद केजीएमयू प्रशासन ने सात अन्य विभागों की जांच भी शुरू कर दी है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि आईटी विभाग के सहयोग से एक विशेष मोवाइल एप विकसित किया जा रहा है। यह एप मरीज की भर्ती से लेकर उपचार तक की संपूर्ण जानकारी रियल टाइम में दर्ज करेगा। एप के जरिये मरीज को दवा और इंप्लांट का वितरण होगा। यह व्यवस्था जल्द लागू होगी। सूत्रों का कहना है एप के जरिये दवा एवं इंप्लांट वितरण की व्यवस्था मोबाइल नंबर पर आधारित होगी। इसमें खतरा ये है कि दवा, इंप्लांट, सर्जिकल उपकरणों के नाम पर गोलमाल करने वाले फर्जी मरीज तैयार कर सकते हैं। परिवार, परिचितों के मोबाइल नंबर मरीज के तौर पर पंजीकृत कराकर व्यवस्था में सेंध लगा सकते हैं। ऐसे मामलों को कैसे रोका जाएगा, यह एप लॉन्च होने के बाद ही पता चल सकेगा। में ओटीपी सत्यापन के बाद ही सामग्री निर्गत की जा सकेगी।

रिचार्ज के दो घंटे के भीतर नहीं आई बिजली, पॉवर कॉर्पोरेशन पर लगा सात लाख जुर्माना

लखनऊ, (संवाददाता)। स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज के दो घंटे बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर पॉवर कॉर्पोरेशन पर 7.18 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना राशि आयोग में 15 दिन के अंदर जमा करनी होगी। यह फैसला उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की दो सदस्यीय पीठ ने सुनाया है। प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था लागू की गई थी। इसके तहत माइनस बिलिंग होने पर बिजली आपूर्ति अपने आप बंद हो जाती है। नियमानुसार रिचार्ज करने पर आपूर्ति दो घंटे के भीतर शुरू होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल कर प्रभावित 1.93 लाख उपभोक्ताओं को मुआवजा दिए जाने की मांग की। इस पर आयोग ने कटने वाले कनेक्शन और जुड़ने वाले कनेक्शन से संबंधित तभी दस्तावेज तलब किए। जांच में सामने आया कि 13, 14, 16, 17, 18, 23, 25, 28 मार्च तथा 2 एवं 7 अप्रैल 2026 को निर्धारित सेवा मानकों का पालन नहीं हुआ। अनुपालन स्तर घटकर 77 फीसदी पहुंच गया, जबकि न्यूनतम 95 फीसदी अनुपालन अनिवार्य है। जवाब में कॉर्पोरेशन ने स्वयं स्वीकार किया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति निर्धारित समय सीमा में बहाल नहीं हो सकी। इस पर आयोग ने प्रति उल्लंघन एक लाख रुपये और प्रत्येक दिन की देरी पर अतिरिक्त छह हजार रुपये को शामिल करते हुए 7.18 लाख का जुर्माना लगाया है। आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक से 15 दिनों में विस्तृत जवाब तलब किया है। उपभोक्ताओं को मुआवजे की मांग राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का दावा है कि किसी राज्य के नियामक आयोग द्वारा डिस्कॉम पर इतनी बड़ा जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है। 193143 उपभोक्ताओं को प्रतिदिन 50 रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया जाए।

मिट्टी के मकान की दीवार गिरने से मां-बेटी की दर्दनाक मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। जामो थाना क्षेत्र के पूरे परमेश्वरी घाटमपुर गांव में शनिवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ एक मिट्टी के मकान की दीवार भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर मां–बेटी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर है। पूरे परमेश्वरी घाटमपुर गांव निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी पत्नी कमलेश कुमारी (35), बेटी आशी (7) और बेटा दीपांशु (8) शुक्रवार रात मकान के भीतर सो रहे थे। शनिवार तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच अचानक मिट्टी की दीवार ढह गई, जिससे तीनों मलबे में दब गए। चीख–पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला। ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने कमलेश कुमारी और आशी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दीपांशु को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। जामो थाना निरीक्षक विनोद सिंह ने बताया कि हादसा मिट्टी की दीवार गिरने के कारण हुआ है। अस्पताल से मिले डेथ मेमो के आधार पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही प्रशासन की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है ।

गौ रक्षा और संगठन विस्तार पर विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व हिन्दू महासंघ, जौनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को लोहिया पार्क, पॉलिटेक्निक परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य गौ रक्षा के प्रति जनजागरण तथा संगठन के विचारों एवं उद्देश्यों को जन–जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर विचार–विमर्श करना रहा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने, गौ संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा संगठन के विस्तार को लेकर अपने–अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि गौ रक्षा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा इसके लिए समाज के सभी वर्गों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संगठन की विचारधारा को गांव–गांव और घर–घर तक पहुंचाने पर बल दिया तथा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव 'बच्चा भैया' ने सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से सत्य प्रकाश श्रीवास्तव 'राजू', नीरज श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव 'शेखर', दीपक श्रीवास्तव (पत्रकार), रतन श्रीवास्तव, आशीष माली, अतुल कुमार, गिरधारी लाल गुप्ता, उमाशंकर सेठ, रविकेश श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, अनुराधा श्रीवास्तव, श्रद्धा श्रीवास्तव, आकृति श्रीवास्तव, वैष्णवी पांडेय, डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, राज सैनी, संतोष श्रीवास्तव सहित अनेक सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में 8 से 10 जून तक आयोजित होने वाली परीक्षा में 21 केंद्रों पर कुल 56,880 अभ्यर्थी शामिल होंगे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर जौनपुर प्रशासन और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में 8 से 10 जून तक आयोजित होने वाली परीक्षा में 21 केंद्रों पर कुल 56,880 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रोडवेज विभाग ने विशेष कार्ययोजना लागू की है। आज परीक्षा के पहले दिन 9 हजार 876 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षार्थियों को त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बाद केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है।बात करे महिलाओं और लड़कियों के बाल के जुड़े बाली और पर्स कंगन चूड़े मंगलसूत्र आदि उतारकर प्रवेश दिया गया है वही पुरुष अभ्यर्थियों को जूते मोजे बेल्ट घड़ी पर्स आदि जमा करके प्रवेश दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में परिवहन निगम की विशेष व्यवस्था रविवार शाम पांच बजे से 10 जून की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान विभिन्न मार्गों पर बसों की संख्या बढ़ाई गई है तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बसों का संचालन भी किया जाएगा। प्रमुख रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाकर अभ्यर्थियों को समय से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।लेकिन परीक्षार्थियों का कहा कि उन्हें किसी प्रकार की राहत नहीं मिली है बस कंडक्टर द्वारा पूरा पैसा लिया गया है न देने पर बस से उतार दिया है।ऐसे में बड़ा सवाल खड़ा होता हैं कि मुख्यमंत्री के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है।

ऑपरेशन वज्रपात के तहत जौनपुर में 56 आपराधिक गैंग चिन्हित, 423 सदस्य पुलिस रडार पर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सोशल मीडिया के माध्यम से भय, दहशत और अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध जौनपुर पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन वज्रपात' के तहत जिले में 56 आपराधिक गैंग और उनके 423 सदस्यों को चिन्हित किया गया है। अभियान के दौरान 10 मुकदमे दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण के निर्देश पर 1 जून से 5 जून तक जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया के जरिए अपराधियों द्वारा बनाए जा रहे भय और दबदबे के माहौल पर प्रभावी अंकुश लगाना था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान 44 अभियुक्तों के विरुद्ध गुंडा एक्ट, 126 व्यक्तियों के विरुद्ध 110–जी की कार्रवाई, छह

अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट तथा 90 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक पाबंदी की कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा लगातार ऐसे तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर रील, फोटो और वीडियो अपलोड कर अवैध असलहों एवं हथियारों का प्रदर्शन करने वाले तथा आमजन में भय का वातावरण पैदा करने वाले गैंगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे गिरोह गुंडागर्दी, दबंगई, मारपीट, धमकी और शांति भंग जैसी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। जौनपुर में चिन्हित प्रमुख गैंगों में महाकाल गैंग, अविरल गैंग, कर्रा गैंग, शूटर गैंग–505, कट्टा गैंग–606, टीम दादा मुफ्तीगंज–9696 गैंग, शक्तिमान गैंग, यदुवंशी गैंग, शिवा–94 गैंग, पंकज किंग–8558 गैंग, राउडी–001 गैंग, मेढ़ा गैंग, आशु यादव राइडर गैंग, जानसन गैंग और सावन गैंग शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के लिए ऐसे गैंगों और उनके सदस्यों के विरुद्ध आगे भी निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की बैठक में जून माह के लिए कृषि कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें जून माह के दौरान किसानों के हित में संचालित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर दिशा–निर्देश दिए गए।बैठक में कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और सतत कृषि को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंचे।उन्होंने बताया कि आगामी 14 से 16 जून तक प्रदेश के सभी जनपदों में 'कृषि मेला एवं आरोग्य मेला' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद 17 से 18 जून तक 'प्राकृतिक खेती' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य किसानों को रसायन–मुक्त खेती के प्रति प्रोत्साहित करना है।कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सभी कृषि फार्मों और विभागीय कार्यालयों में गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। साथ ही 01 जून से 30 जून तक सभी राजकीय कृषि फार्मों पर 'खेत बचाओ अभियान' संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कृषि भूमि संरक्षण और जागरूकता बढ़ाना है।बैठक में गन्ना किसानों की आय बढ़ाने के लिए गन्ना आधारित इंटरक्रॉपिंग (सह–फसली खेती) को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत गन्ने के साथ मूंगफली, उर्द, मूंग, लोबिया, सरसों और भिंडी जैसी फसलों के प्रदर्शन प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही मृदा सुधार के लिए ढैंचा की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है।कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि क्षेत्रीय प्रक्षेत्रों को मॉडल फार्म के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने धान बीज वितरण में लगे कर्मियों के मानदेय का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने, कृषि शिक्षा का सब–मॉड्यूल तैयार कर मुख्यालय भेजने तथा कृषि यंत्रों की बुकिंग प्रक्रिया को पुनः प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि इस वर्ष दलहन और तिलहन फसलों जैसे उर्द, मूंग, सोयाबीन और तिल के क्षेत्रफल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। संभावित सुपर एल–नीनो के प्रभाव को देखते हुए ।

पत्नी के गहने गिरवी रख खरीदे कृषि यंत्र, 2.42 करोड़ का भुगतान अटका

गोरखपुर, (संवाददाता)। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत गोरखपुर–बस्ती मंडल में सिस्टम की लापरवाही से गोरखपुर–बस्ती मंडल के 352 किसानों की करीब 2.42 करोड़ रुपये की सब्सिडी फंस गई है। इनमें ज्यादातर किसान गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और बस्ती जिले के हैं। दो साल पहले इन किसानों ने जिम्मेदारों के भरोसे पर कृषि यंत्र खरीद लिए पर बैंक खाते में सब्सिडी की रकम ही नहीं पहुंची। किसानों ने जब पत्राचार किया तो पता चला कि शासन से दिए गए लक्ष्य से तीन गुना ज्यादा खरीद करवा ली गई है। ज्यादातर किसान अच्छी खेती की उम्मीद में कृषि यंत्र तो खरीद लिए पर किसी के पत्नी के जेवर बंधक हैं तो कोई बैंक से लोन लेकर कर्जदार बन गया है। मामला वर्ष 2024 का है। शासन की ओर से राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना में सब्सिडी वाले कृषि यंत्रों का लक्ष्य तय किया गया। इसके तहत पॉवर टिलर (8 हार्स पॉवर से ऊपर) पर 75 हजार, 8 हार्स पॉवर से कम की मशीन पर 50 हजार रुपये और ट्रैक्टर की खरीद पर एक लाख रुपये की सब्सिडी दी जानी थी। उद्यान विभाग के अधिकारियों ने लक्ष्य से तीन गुना तक कृषि यंत्र खरीदने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया और शासन से भी हरी झंडी मिल गई। जनवरी 2025 में किसानों से कृषि यंत्र भी खरीदवा लिए गए और बिल–बाउचर का सत्यापन कराकर भुगतान के लिए शासन को भेज दिया गया। शासन स्तर पर बजट की कमी बताकर भुगतान रोक दिया गया। सब्जियों की खेती के लिए पावर टिलर की जरूरत थी। जनवरी 2025 में उद्यान विभाग की योजना के तहत आवेदन किया। अधिकारियों के कहने पर पत्नी का जेवर बंधक रखकर मशीन खरीद ली। दो साल से भुगतान का आश्वासन दिया जा रहा है। आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की तो बताया गया कि बजट ही नहीं है। मैं इस समय बहुत ही मानसिक तनाव में हूं, अपनी व्यथा किसे सुनाऊंरूअनूप कुमार मिश्रा, बाहपुर–गोला योजना के तहत मैंने आवेदन किया था। उद्यान विभाग से सभी कागजों का सत्यापन कराया गया और कहा गया कि आप मशीन खरीद लें। उधार लेकर डेढ़ लाख रुपये की मशीन खरीद ली।

चारों तहसीलों में बनेंगे 25–25 करोड़ के मॉडल कंपोजिट स्कूल, सौ करोड़ होंगे खर्च

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिले की चारों तहसीलों में 100 करोड़ की लागत से मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण होगा। इन विद्यालयों में एक ही छत के नीचे प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक के बच्चों को पढ़ाई की सुविधा दी जाएगी। हरैया और रुध ौली में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए भूमि मिल गई है। बजट मिलने के बाद अब टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्रत्येक विद्यालय के निर्माण पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, दो अन्य तहसीलों में विद्यालय निर्माण के लिए पांच से 10 एकड़ जमीन की तलाश की जा रही है। नई शिक्षा नीति के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में करीब 1500 छात्र–छात्राओं की पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधा होगी। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में 30 कक्ष बनवाए जाएंगे। डिजिटल एजुकेशन प्लेटफार्म, डिजिटल लर्निंग के माध यम से गुणवत्ता परक शिक्षा के लिए स्मार्ट क्लास, डिजिटल उपकरणों की व्यवस्था के साथ ही अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, कंम्प्यूटर लैब, डिजिटल लाइब्रेरी आदि संसाधनों की व्यवस्था की जाएगी। कक्षा 11 और 12 के बच्चों के लिए विज्ञान, कला और वाणिज्य विषय की अलग–अलग कक्षाएं संचालित करने की व्यवस्था की जाएगी। खेल मैदान व कौशल विकास की सुविधा के साथ ही विद्यार्थियों को आधुनिकतम शैक्षणिक परिवेश मिलेगा। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने बताया कि शासन के मंशा के अनुरूप दो तहसील में जमीन मिल गई है। वहां निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा दो अन्य तहसील में जमीन उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन से पत्राचार किया गया है। साथ ही निर्माण के लिए जरूरी कवायद की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल निर्माण के लिए हाईवे व प्रमुख मार्गों के आसपास ही विद्यालय निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि तहसील स्तर पर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिल सके। विद्यालय निर्माण के लिए न्यूनतम पांच और अधिकतम 10 एकड़ भूमि की जरूरत होगी। दो जगह भूमि मिलने पर टेंडर प्रक्रिया शुरू होने से स्थानीय लोगों में उम्मीद बढ़ गई है।

पिपराइच में पुलिस–पशु तस्करों के बीच मुठभेड़, गोवंश लेकर जा रहे थे बिहार

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिपराइच थाना क्षेत्र के सोनबरसा मार्ग स्थित इस्लामपुर ईंट–भट्ठे के पास बृहस्पतिवार देर रात पुलिस और पशु तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तस्करी की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके सात साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ तस्कर इस्लामपुर ईंट–भट्ठे के पास एक पिकअप वाहन में गोवंशीय पशुओं को लादकर बिहार ले जाने की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही एसओजी और पिपराइच पुलिस ने इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस टीम को देखते ही तस्करों ने अवैध ा हथियारों से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। इसी दौरान तस्करों की पिकअप का टायर क्षतिग्रस्त हो गया। बैरिकेडिंग के कारण बच निकलने की कोशिश में वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिसके बाद अफरा–तफरी मच गई और अंधेरे का फायदा उठाकर अधिकांश आरोपी मौके से भाग गए। कांबिंग के दौरान पुलिस ने मोहनपुर निवासी जनार्दन कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया। मौके से पलटी पिकअप और आसपास से कुल चार गोवंश बरामद किए गए, जिनमें एक मृत पाया गया, जबकि तीन जीवित पशुओं को सुरक्षित गोशाला भेज दिया गया। मृत पशु का पोस्टमार्टम कराकर विधिवत दफन कराया गया। इसके अलावा पुलिस ने दो मोटरसाइकिल, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, रस्सियां, नायलॉन पट्टे और पशु तस्करी में प्रयुक्त अन्य सामान भी बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है। मामले में गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की ध ाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रारंभिक जांच में बिहार के पश्चिमी चंपारण निवासी साहब अंसारी और रोजित अंसारी समेत अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं। भागे हुए तस्करों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एम्स का ऐप देगा स्मार्ट चेतावनी और सुरक्षा सुझाव, लू से बचाव का अलर्ट भी बताएगा

गोरखपुर, (संवाददाता)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एम्स में जलवायु एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण फैसला किया गया है। एम्स की तरफ से हेल्थ अलर्ट ऐप जारी किया गया है। इससे मौसम के वास्तविक तापमान, ताप सूचकांक समेत मौसम संबंधी जानकारियां मोबाइल पर अलर्ट के तौर पर मिल सकेंगी। कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने शुक्रवार को ऐप का औपचारिक लोकार्पण किया। बताया कि यह ऐप सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड डाटा एनालिटिक्स इन हेल्थ एंड एनवायरनमेंट की ओर से तैयार किया गया है। एम्स इसका प्रयोग, आमजन, स्वास्थ्यकर्मियों, संस्थानों, नियोक्ताओं व संवेदनशील वर्गों को लू एवं अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए समय पर जानकारी और परामर्श उपलब्ध कराएगा। इसमें वास्तविक समय की मौसम संबंध ी जानकारी, ताप सूचकांक, पराबैंगनी किरण सूचकांक, वायु गुणवत्ता सूचकांक, पांच दिन का मौसम पूर्वानुमान, स्मार्ट चेतावनी संदेश व वैज्ञानिक आधार पर तैयार सुरक्षा सुझाव उपलब्ध रहेंगे। ऐप के समन्वयक डॉ. यू. वेंकटेश ने बताया कि हेल्थ अलर्ट ऐप मौसम संबंध ी सूचनाओं को स्वास्थ्य परामर्श से जोड़ता है, जिससे लोग बेहतर निर्णय ले सकेंगे। ऐप की विशेषता यह है कि इसमें चिकित्सकों की ओर से तैयार किए गए दिशा–निर्देश शामिल हैं। इसके माध्यम से आवश्यक सावधानियां व बड़े आयोजनों के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।

महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या।रविवार को मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया व अन्य पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया है।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।इस मौके पर महिला कांस्टेबल वंदना यादव,प्रिया सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रही।

देवकाली–रीडगंज मार्ग पर महिला से चौन स्नैचिंग,पुलिस जाँच मे जुटी

अयोध्या।देर रात कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली – रीडगंज संपर्क मार्ग पर स्थित मद्रास हैंडलूम के समीप स्कूटी सवार अमिता श्रीवास्तव मोहल्ला हैदरगंज,पुलिस चौकी चौक, कोतवाली नगर निवासी महिला चौन स्नैचरों का शिकार हो गई।मिली जानकारी के मुताबिक दो बाइक सवार बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चौन छीनकर फरार हो गए।घटना के दौरान महिला सड़क पर गिर गई, जिससे उसके सिर,आंख, हाथ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।बताते समय उपरोक्त महिला अपनी बेटी के साथ स्कूटी से देर रात अपने निवास स्थान हैदरगंज मोहल्ले जा रही थी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।शहर के व्यस्त मार्ग पर हुई इस वारदात ने पुलिस की गश्त व्यवस्था और मिशन शक्ति अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं से महिलाओं में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय सीसीटीवी फुटेज करने में लगी हुई है। संबंध में एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया इस घटना की जानकारी उनके संज्ञान में है।घटना की खुलासे के लिए टीमों का घटन कर दिया गया है।जल्द ही इसमे शामिल आरोपी पुलिस के गिरफ्त मे होगे

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू रहा है : मनीष चौरसिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन जनपद में विभिन्न स्थानों पर उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता मनीष नारायण चौरसिया एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने मनीष नारायण चौरसिया के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्र के समक्ष केक काटकर जन्मदिन मनाया और उनके नेतृत्व की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा नेता मनीष नारायण चौरसिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ वर्षों के शासनकाल में उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था मजबूत हुई है, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़े हैं तथा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के संदर्भ में उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर समाज को स्वच्छ और हरित बनाने में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में सुमित शुक्ला, पंकज श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'डॉ रजनी सरीन के निधन पर रेडक्रॉस सोसायटी ने की शोक सभा आयोजित'

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में वरिष्ठ समाजसेवी एवं चिकित्सक, सोसाइटी जनपद फर्रुखाबाद के चेयरमैन डॉ. रजनी सरीन के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने जानकारी देते हुए बताया की उनके स्वर्गवास की सूचना उनके छोटे भाई कालपी के पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा द्वारा दी गयी है। डॉ. रजनी सरीन का समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में लखनऊ स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश मुख्यालय में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सभापति एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की अध्यक्षता में आयोजित प्रबंध समिति की बैठक में भी डॉ. सरीन ने सक्रिय सहभागिता निभाई थी। डॉ विजय जौहरी ने कहा की दिनांक ३१ मार्च को लखनऊ में आदरणीय डॉ. रजनी सरीन जी से हुई मेरी बैठक हमारे बीच अंतिम भेंट सिद्ध हुई। यह मुलाकात सदैव मेरी स्मृतियों में जीवंत रहेगी। उनके व्यक्तित्व में सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम था। उनसे हुई चर्चा ने मुझे समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। उनके मार्गदर्शन, स्नेह और समाज के प्रति समर्पित जीवन को मैं सदैव स्मरण करता रहूँगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें, उन्होंने कहा कि डॉ. सरीन का संरक्षण, मार्गदर्शन एवं स्नेह रेड क्रॉस परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके आदर्शों एवं समाज सेवा के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने डॉ. सरीन के निधन को समाज एवं रेड क्रॉस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर डॉ विजय जौहरी ने फर्रुखाबाद उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये साथ ही घटिया घाट पर उनके अंतिम संस्कार में भाग लिया।

अराजक तत्वों से असुरक्षित महसूस कर रही महिलाए व बेटिया

अयोध्या। कोतवाली नगर,थाना कैंट क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों मे में शाम ढलते ही अराजक तत्व व शोहदे सक्रिय दिखाई दे रहे है।जिसके चलते इधर से शाम को गुजरने वाली महिलाओं व बेटियों के साथ साथ अन्य राहगीर अपने आपको असुरक्षित महसूस करती है।परंतु इस गंभीर समस्या पर पुलिस प्रशासन ध्यान नहीं दे रही है।शहर के गुलाबबाड़ी,गुलाब बाड़ी मैदान,रीडगंज तिराहा, रीडगंज ओवर ब्रिज, जेल के पीछे, पुष्पराज चौराहा, हैदरगंज चौराहा, वजीरगंज, राठहवेली, लालबाग रेलवे क्रासिंग, मोदहा चौराहा, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, सीतापुर नेत्र चिकित्सालय रीडगंज सहित अन्य चौराहों व मार्गों पर ये अराजक तत्व सक्रिय हो जाते है।सूत्र के मुताबिक ये अराजक तत्व शाम ढलते ही इन जगहों पर जुआ, सट्टा आदि खेलने में व्यस्त हो जाते हैं।वही इधर से गुजरने वाली महिलाओं, लड़कियों के साथ साथ छेड़खानी, चोरी व लूट सहित अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते है।परंतु इस गंभीर समस्या पर पुलिस रोक लगाने मे असहज महसूस करती हुई दिखाई देती है।जबकि पुलिस पिकेट व डायल 112,चीता मोबाइल टीम, एंटी रोमियो स्क्वायड टीम की तैनात है।इसके बावजूद शहर में सक्रिय अराजक तत्वों से महिलाओं व राहगीरों से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है।जो पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

इनायत नगर थाना क्षेत्र में लाखों के जेवर-नकदी चोरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के डीली गिरधर पूरे प्रगास में रविवार को अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के सोने–चांदी के जेवरात और 10 हजार नकद चुरा लिए। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव निवासी ममता सिंह ने इनायत नगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 मई को उनके घर में रखी अलमारी का लॉकर तोड़ दिया गया। लॉकर में सोने–चांदी के आभूषण जैसे पायल, अंगूठी, माथबेंदी, कान का झाला और अन्य कीमती सामान रखे थे। इसके अतिरिक्त, 10 हजार नकद भी लॉकर में मौजूद थे। चोर ये सभी सामान लेकर फरार हो गए।पीड़िता के अनुसार, चोरी गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। घटना का पता चलने के बाद परिवार के सदस्यों ने आसपास तलाश की, लेकिन चोरी हुए सामान का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।सूचना मिलने पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। कार्यवाहक थानाध्यक्ष अमर बहादुर पटेल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास करेगी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर संभावित संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

महिला थाना पुलिस ने बिछुड़ी बालिका को उसके परिजनों से मिलाया

अयोध्या।बीती रात महिला थाना पुलिस ने परिजनों से बिछुड़ी बालिका को उसके परिजनों से मिलाया। इस संबंध में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया रविवार की दोपहर पीआरवी 0938 द्वारा काजल गौतम पुत्री रंगी लाल निवासी पिपरिया थाना खैरीघाट जो अपने परिजन से नाराज होकर

अयोध्या आ गयी थी।जिसे महिला थाना लाया।उसके बताए गए पते पर संपर्क किया गया। शाम शाम को काजल गौतम को उनके पिता रंगी लाल व उसके भाई अजय को सकुशल सुपुर्द किया गया। बताया कि इस सराहनीय योगदान में महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर का विशेष योगदान रहा।

8 से 10 तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा पहले दिन शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न

अयोध्या।सोमवार से बुधवार तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार को पहले दिन जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर दोनो पाली मे शांति पूर्वक ढंग को से संपन्न हुई। प्रथम पाली में 5136 अभ्यर्थियों में से 4037 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल रहे वहीं 1099 अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रहे।जबकि दूसरी पाली 5136 अभ्यर्थियों में से 4160 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 976 अभ्यर्थी परीक्षा में नहीं बैठे।परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए।प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई।परीक्षा केंद्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात रही।प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।अभ्यर्थियों ने प्रश्न पत्र को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया दी, कुछ प्रश्न कठिन तो कुछ सरल बताए। परीक्षा को सकुशल संपन्न करने के लिए कमिश्नर राजेश कुमार डीआईजी, सोमेन वर्मा जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी,एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, सहित अन्य आला अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर जाकर भ्रमण करते हुए दिखाई दिए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।